RAF SECTOR
NEWS CLIP
15/06/2022

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hindustan, Ranchi, (JKD)

निर्देश: उपद्रवियों की तस्वीर चौराहों पर लगाएं

अमन पर आंच

रांची, हिन्दुस्तान ब्यूरो। रांची में 10 जून को हुई हिंसा के मामले में राज्यपाल रमेश बैस ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए सोमवार को डीजीपी, एडीजी (अभियान) के साथ रांची के डीसी व एसएसपी को तलब किया। उन्होंने हिंसा व उसके बाद की घटनाओं की जानकारी लेते हुए कई सवाल किए। साथ ही कई निर्देश भी दिए। राज्यपाल ने चिह्नित उपद्रवियों की तस्वीर नाम और पता के साथ शहर के प्रमुख चौराहों लगाने को कहा। राज्यपाल ने पूरे मामले की रिपोर्ट गृह मंत्रालय को भेजने की चेतावनी भी दी है। राज्यपाल ने इसके अलावा पिछले हफ्ते अपराध से जुड़ी चार प्रमुख वारदातों के बारे में भी जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। सूत्रों के अनुसार गवर्नर के ज्यादातर सवालों पर अधिकारी चुप रहे।

राज्यपाल ने पूछा कि प्रदर्शन के दौरान निरोधात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। वाटर कैनन, रबर बुलेट और आंसू गैस का इस्तेमाल क्यों नहीं हुआ। क्यों पुलिस अधिकारियों व कर्मियों ने हेलमेट और प्रोटेक्टिव गियर नहीं पहन रखा था। अबतक कितनी गिरफ्तारियां हुई और कितनी एफआईआर की गई। घटना के बारे में क्या इनपुट थे और उससे निपटने के क्या इंतजाम थे। कितने पुलिसकर्मी और मजिस्ट्रेट तैनात थे। राज्यपाल ने निर्देश दिया कि जो लोग इन घटनाओं के बारे में अफवाहें फैला रहे हैं उनकी पहचान कर दंडित करें। पूछा कि क्या ऐसे लोगों की पहचान हुई है और उनपर क्या कार्रवाई की गई। देखें P5,6

रांची में कर्बला चौक के पास सोमवार को हुए हंगामे के बाद इलाके में तैनात रैफ के जवान। यहां हंगामे के बाद घंटेभर अफरातफरी मची रही।

12 लोगों को पुलिस ने किया है गिरफ्तार

42 स्थानों पर छापेमारी कर चुकी है पुलिस

एनआईए जांच को पीआईएल

रांची हिंसा की एनआईए से जांच के लिए हाईकोर्ट में पीआईएल दायर की गई है। पंकज यादव ने अर्जी में असदुद्दीन ओवैसी, यास्मीन फारूकी समेत रांची डीसी, एसएसपी को प्रतिवादी बनाया है। P 05

शिकंजा: पुलिस ने 47 उपद्रवियों को उठाया, 155 अन्य पर कार्रवाई

रांची, वरीय संवाददाता। रांची में बीते दस जून को हुई हिंसा में शामिल उपद्रवियों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले में अबतक जहां 12 लोगों को गिरफ्तार किया है वहीं 35 अन्य को भी अलग-अलग जगहों से उठाया है। हिरासत में लिए गए लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार लोगों में से सात का अभी रिम्स में इलाज चल रहा है। वहीं पांच थाना क्षेत्रों में रहने वाले 155 लोगों पर 107 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, कॉल डंप और ड्रोन कैमरा के जरिए अन्य उपद्रवियों की पहचान करने में जुट गई है हिंसा के बाद पुलिस उपद्रवियों की तलाश में जुट गई है। इसी क्रम में विशेष जांच दल 42 स्थान पर छापेमारी कर चुकी है। मामले में डोरंडा, लोअर बाजार, डेली मार्केट और हिंदपीढ़ी थाने में 36 नामजद के अलावा 11 हजार अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। देखें P 05

चप्पे-चप्पे पर पहरा

सोमवार को रांची शहर में छिटपुट घटनाओं को छोड़ शांति रही। अलर्ट एक्का चौक, रतन टॉकिज, कर्बला चौक आदि इलाकों में बड़ी संख्या में जवान तैनात रहे। सुबह में अलर्ट एक्का चौक से सुजाता चौक की ओर जाने वाले मार्ग को सील कर दिया गया था। दोपहर ममन रोड ढील दी गई। वहीं हिंदपीढ़ी इलाके में आवागमन प्रभावित रहा।

राज्यपाल ने पूछे सवाल

- घटना के बारे में क्या-क्या इनपुट थे व निपटने की क्या व्यवस्था थी
- वाटर कैनन, रबर बुलेट और आंसू गैस का इस्तेमाल क्यों नहीं हुआ
- पुलिसकर्मी हेलमेट व प्रोटेक्टिव गियर क्यों नहीं पहने हुए थे
- अबतक कितनी गिरफ्तारियां हुई व कितनी एफआईआर दर्ज की गई

इनपर भी मांगी रिपोर्ट

- गुमला में रेप के आरोपित को जिंदा जलाने पर।
- रांची में राजेश पाल की जेवर दुकान में हत्या पर।
- आदित्यपुर में तीन युवकों की हत्या की। ■जमशेदपुर में गवाही देने पर हत्या की।

कर्बला चौक के पास हंगामा, रैफ तैनात

- 01 घंटे तक इलाके में मची रही अफरा-तफरी
- महिलाएं भी सड़क पर उतरी, दिया धरना

रांची, वरीय संवाददाता। कर्बला चौक के पास स्थित इमारत-ए-शरिया के दफ्तर में घुसने पर सोमवार को पुलिस को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष सड़क पर उतर आए। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के बाद कर्बला चौक और आसपास रैफ की तैनाती की गई।

जानकारी के अनुसार इमारत-ए-शरिया के नायब अमीर-ए-शरियत मौलाना मुफ्ती शमसाद रहमानी शुक्रवार की घटना की जानकारी लेने पटना से रांची पहुंचे थे। उनके साथ सह सचिव मौलाना अनीस कासमी और सह काजी मौलाना सुहैल अख्तर कासमी भी हैं। वे इमारत-ए-शरिया के दफ्तर में बैठे थे। रांची इमारत-ए-शरिया से जुड़े लोग भी वहां पहुंच थे। बातचीत चल ही रही थी कि लोअर बाजार थानेदार को जानकारी मिली कि दफ्तर में मीटिंग चल रही है। थानेदार पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे।कहा बैठक करना धारा 144 का उल्लंघन है। इसके बाद सभी निकल गए। पुलिस ने पूर्व पार्षद सलाउद्दीन उर्फ संजू को पकड़ लिया। उस पर बैठक करने का आरोप लगा दिया। थानेदार व संजू के बीच बकझक शुरू हो गई। अफवाह फैल गई कि संजू को पुलिस ने पकड़ लिया है। इसके बाद लोग वहां पहुंच गए और हंगामा करने लगे। इस दौरान पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी की गई। लोग सड़कों पर उतर आए। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद एसटीएफ एसपी कार्तिक एस, सिटी डीएसपी दीपक कुमार आदि पहुंचे। पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया। देखें P 05

वर्तमान परिस्थिति में संविधान व लोकतंत्र को बचाना जरूरी : हेमंत

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कहा कि देश अजीबोगरीब स्थिति से गुजर रहा है। बहुत संभल कर और बहुत सूझबूझ के साथ इस समय को पार करने की जरूरत है।

आवेश और तैश में अक्सर गलतियां हो जाती हैं। ये शहर जंग का मैदान नहीं है। इसलिए वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए एक-एक कदम बढ़ाने की जरूरत है। कई जगहों से हमें विचलित करने वाली खबरें देखने और सुनने को मिलेंगी। कहीं न कहीं हर खबर, हर चलचित्र में हिडेन एजेंडा छुपा हुआ प्रतीत होता है। हमें उसे देखने की जरूरत है और हमें इस देश के संविधान और लोकतंत्र को इससे बचाने की जरूरत है।

Dainik Jagran, Ranchi, (JKD)

शहर में टंगवाएं दंगाइयों की होर्डिंग : राज्यपाल

- डीजीपी, एडीजी अभियान व रांची के डीसी-एसपी से ली अबतक कार्रवाई की जानकारी
- डीजीपी ने स्वीकारा, आइबी से मिला था 150 लोगों द्वारा अराजकता फैलाने का इनपुट
- राज्यपाल ने कहा, एक भी उपद्रवी को बख्शा न जाए, दोषियों पर शीघ्र हो कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, रांची : राज्यपाल रमेश बैस ने रांची के मेन रोड में शुक्रवार को हुई पत्थरबाजी, हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक नीरज सिन्हा, एडीजी अभियान संजय आनंद लाटकर, रांची के डीसी छवि रंजन व एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा को राजभवन बुलाकर अबतक हुई कार्रवाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में एक भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाए। जो भी दोषी हों, उनके विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई हो।

राज्यपाल ने निर्देश दिया कि सभी प्रदर्शनकारियों और पकड़े गए लोगों की पूरी जानकारी लेकर पुलिस उनका नाम व पता सार्वजनिक करे। साथ ही शहर में मुख्य स्थानों पर उनकी तस्वीरें होर्डिंग में लगवाएं, ताकि हर आदमी उन्हें पहचाने और पुलिस की मदद कर सके। राज्यपाल ने यह भी कहा कि जो लोग इन घटनाओं के बारे में या इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अफवाहें फैला रहे हैं, उनकी भी पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाय। इस दौरान डीजीपी ने स्वीकार किया कि खुफिया विभाग ने 150 लोगों द्वारा अराजकता फैलाने की आशंका का इनपुट दिया था।

राज्यपाल ने पुलिस पदाधिकारियों से कहा कि विधि-व्यवस्था कायम करने में किसी प्रकार की कोताही नहीं हो। किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत हरगिज नहीं दी जा सकती।

बता दें कि राज्यपाल ने इससे पहले भी पुलिस महानिदेशक व एडीजी अभियान को फोन कर घटना में शामिल लोगों को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी फोन कर घटना के संबंध में उनसे बात की थी। इधर, राजभवन केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भेजने की तैयारी कर रहा है। एक दिन पहले ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राजभवन से इस मामले पर रिपोर्ट मांगी है।

रांची के गुदड़ी में बैठक करने को लेकर हंगामा हुआ। इस दौरान बैठक करने पटना से आए व्यक्ति की कार को घेरे लोग व जवान। • जागरण

अधिकारियों से पूछा

- जुलूस के दौरान वाटर कैनन, रबर बुलेट्स और आंसू गैस के इस्तेमाल क्यों नहीं किए गए। इसके इंतजाम वहां क्यों नहीं किए गए थे?
- पुलिस अधिकारियों व कर्मियों ने हेलमेट और सुरक्षा गीयर क्यों नहीं पहने हुए थे?

हिंसा की आशंका थी तो क्यों नहीं हुए रोकने के पर्याप्त इंतजाम

राज्यपाल ने हिंसा की घटना को रोकने के लिए अधिकारियों द्वारा पहले से ही पर्याप्त तैयारी नहीं किए जाने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने पुलिस महानिदेशक से पूछा कि आइबी, सीआइडी तथा स्पेशल ब्रांच ने क्या-क्या इनपुट दिए थे? यह भी पूछा कि प्रस्तावित प्रदर्शन व जुलूस के बारे में प्रशासन के पास क्या जानकारी थी और इस दौरान हिंसा या उपद्रव की आशंका थी तो उसे रोकने के लिए क्या-क्या उपाय किए, कितने सुरक्षाकर्मी और दंडाधिकारी वहां तैनात किए गए थे।

अबतक 11 गिरफ्तार, 23 लोगों को हिरासत में लेकर हो रही पूछताछ

राज्यपाल को डीजीपी ने बताया कि मामले में अभी तक 23 लोग हिरासत में लिए गए हैं, जबकि 11 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। डीजीपी ने बताया कि जो भी वीडियो फुटेज या फोटोग्राफ मिले हैं, उनके आधार पर कार्रवाई की जा रही है। दर्ज प्राथमिकियों के आधार पर नामजद लोगों को खोजा जा रहा है।

गुमला, रांची और जमशेदपुर में घटी घटनाओं में हुई कार्रवाई की भी ली जानकारी

राज्यपाल ने अधिकारियों से रांची में ज्वेलरी कारोबारी की हत्या समेत अन्य स्थानों पर हुई घटनाओं की भी जानकारी और की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने गुमला में दुष्कर्म के आरोपित युवक को भीड़ द्वारा जिंदा जलाकर मार देने की घटना, रांची में ज्वेलरी व्यवसायी राजेश कुमार पाल के साथ लूटपाट व उनकी हत्या का मामला, जमशेदपुर से सटे आदित्यपुर में तीन युवकों की गोली मारकर की गई हत्या और जमशेदपुर में गवाही देने पर घर में घुसकर युवक मनप्रीत की गोली मारकर की गई हत्या के संबंध में की गई कार्रवाई के बारे में पूछा। उन्होंने निर्देश दिया कि दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करें। पुलिस कानून-व्यवस्था बेहतर करने के लिए तत्काल कड़े कदम उठाए।

ट्विटर पर आफरीन फातिमा ने हिंदुस्तान को लिखा [illegible] • पेज 15

प्रयागराज को हिंसा में झोंकने की थी तैयारी, 150 वाहनों का हुआ प्रयोग • पेज 15

Patrika, Dausa, (RAJ)

रैपिड एक्शन फोर्स ने किया फ्लैग मार्च

दौसा @ पत्रिका. केन्द्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर रेपिड एक्शन फोर्स की प्लाटून ने सोमवार को शहर में फ्लैग मार्च किया। अचानक जवानों के शहर में हथियारों के साथ घूमना आमजन में चर्चा का विषय बन गया। लोग एक-दूसरे से कानून व्यवस्था को लेकर पूछने लगे। सहायक कमांडेंट नंदलाल मीना ने बताया कि जिले के सभी थाना क्षेत्र में परिचय अभ्यास किया जा रहा है। इसके तहत दौसा शहर में उपखण्ड अधिकारी संजय गोरा व कार्यवाहक थाना प्रभारी श्यामलाल के साथ फ्लैग मार्च किया गया। उन्होंने बताया कि परिचय अभ्यास के दौरान संवेदनशील जगहों, विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा व बलवाइयों की सूची तैयार की जाएगी, ताकि भविष्य में कभी जरूरत पड़े तो कारगर तरीके से नियंत्रण किया हो सकेगा।

दौसा. लालसोट रोड पर एसडीओ के साथ फ्लैग मार्च करते रेपिड एक्शन फोर्स के जवान।

सैंथल. पुलिस थाना सैंथल में रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडर नंदलाल मीणा अपनी रैपिड एक्शन फोर्स की कंपनी के साथ आए थाना क्षेत्र के रास्तों व लोगों के बारे में जानकारी ली।

Photos of Deployment/Fam-Ex/Other Activities of RAF

106BN RAF DEPLOYED FOR LAW AND ORDER DUTY RANCHI, (JKD)

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।